CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 08 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए

- इस प्रश्नपत्र में 2 खंड हैं खंड अ और खंड ब।
- खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड ब में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संकेत देने वाली होती है। वह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है। वाचन-शक्ति बढ़ाती है, रक्त को चलाती और पसीना लाती है। हँसी एक शक्तिशाली दवा है। एक डॉक्टर कहता है कि वह जीवन की मीठी मदिरा है। डॉक्टर ह्यूड कहता है कि आनंद से बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मनुष्य के पास नहीं है। कारलाइल एक राजकुमार था। वह संसार त्यागी हो गया था। वह कहता है कि जो जी से हँसता है, वह कभी बुरा नहीं होता। जी से हँसो, तुम्हें अच्छा लगेगा।

अपने मित्र को हँसाओ, वह अधिक प्रसन्न होगा। शत्रु को हँसाओ, तुम से कम घृणा करेगा। एक अनजान को हँसाओ, तुम पर भरोसा करेगा। उदास को हँसाओ, उसका दुख घटेगा। एक निराश को हँसाओ, उसकी आशा बढ़ेगी। एक बूढ़े को हँसाओ, वह अपने को जवान समझने लगेगा। एक बालक को हँसाओ, उसके स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। वह प्रसन्न और प्यारा बालक बनेगा। पर हमारे जीवन का उद्देश्य केवल हँसी ही नहीं है, हमको बहुत काम करने हैं तथापि उन कामों में, कष्टों में और चिंताओं में एक सुंदर आंतरिक हँसी, बड़ी प्यारी वस्तु भगवान ने दी है।

I. ह्यूड ने मनुष्य के लिए सबसे बहुमूल्य वस्तु किसे बताया है?
   i. आनंद को
   ii. हँसी को
   iii. दवा को
   iv. आशा को

II. डॉक्टर ने हँसी को किसके समान बताया है?

i. दवा के

ii. मीठी मदिरा के

iii. कडवी मदिरा के

iv. मदिरा के

III. एक बालक को हँसाने पर क्या होगा?

i. उसकी आशा बढ़ती है

ii. उसकी ख़ुशी बढती है

iii. उसका स्वास्थ्य बढ़ता है

iv. उसे आनंद मिलता है

IV. गद्यांश में ईश्वर द्वारा प्रदत्त बड़ी प्यारी वस्तु किसे कहा गया है और क्यों?

i. बाहरी हँसी

ii. हँसी

iii. ख़ुशी

iv. आन्तरिक हँसी

V. उदास को हँसाने पर क्या होता है?

i. वह हँसता है

ii. वह रोता है

iii. वह प्रसन्न होता है

iv. उसका दुःख घटता है

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

शिवदत्त बुद्धिमान राजा था। एक दिन कपिलमुनि नामक तपस्वी उसके राज्य में आया। राजा ने तपस्वी का सम्मान कर नगर मंत्री मान सिंह को उसके ठहरने का प्रबंध करने की आज्ञा दी। तपस्वी को त्यागी एवं बलिदानी मान कर अनेक सेठ-साहूकार उसे दक्षिणा में धन देने लगे।

काफी धन इकट्ठा होने पर तपस्वी ने धन को एक कलश में रखकर जंगल में एक पेड़ के नीचे दबा दिया तथा उस पर निगरानी रखने लगा। कुछ समय पश्चात् जब वह जंगल गया तो देखा कोई उसका धन चुरा ले गया। यह देख उसकी आँखों के आगे अंधेरा छाने लगा। उसने निश्चय किया कि मैं नदी तट पर अपनी जान दे दूँगा।

यह बात जब राजा तक पहुँची, तो उसने दरबारियों को भेज तपस्वी को बुलवाया तथा समझाया, देवता धन खो जाने पर मृत्यु-वरण अच्छा नहीं है। धन-दौलत तो धूप-छाँह के समान है। उसके लिए इतना शोक व्यर्थ है, पर तपस्वी अपनी बात पर अटल था।

तब राजा ने पूछा, "तपस्वी, आपने धन जहाँ रखा था, वहाँ की कोई निशानी बता सकते"हैं? तपस्वी बोला- "महाराज मैंने वह

धन जंगल में एक छोटे पेड़ के नीचे दबाया था। वही उसकी निशानी थी"। कुछ देर विचार मग्न रह कर राजा बोला, "धीरज रखिए, धन आपको वापस मिल जाएगा। मरने का निश्चय छोड़ दीजिए"। राजा शयनागार में सिरदर्द का बहाना करके लेट गया। नगर के वैद्य राज महल में आते तथा उपचार कर के चले जाते। राजा प्रत्येक से एकान्त में एक ही प्रश्न पूछता- "नगर में आजकल किस बीमारी का प्रकोप है? आपने किस बीमारी की कौन-सी दवा दी?

वैद्य राजा के प्रश्न का उत्तर देते तथा चले जाते। एक वैद्य ने बताया, "मैंन अपने रोगी धनीराम को नागवाली बूटी खाने को कहा था।'

यह सुन कर राजा ने धनी राम को दरबार में बुलाया, पूछने पर धनीराम ने बताया, मेरा नौकर रामू जंगल में जाकर नागवाला बूटी लाया था। राजा ने नौकर को राज दरबार में हाजिर होने की आज्ञा दी।

आते ही राजा ने नौकर से कहा, "अपने मालिक के लिए जंगल से नागबाला बूटी उखाड़कर लाते समय जो धन निकला है उसे तुरन्त ले आओ, नहीं तो अपने पाप का दण्ड पाने के लिए तैयार हो जाओ।

नौकर डर से काँपने लगा। वह दौड़ा-दौड़ा घर गया तथा तपस्वी का धन लाकर राजा को सौंप दिया।

I. गद्यांश में प्रयुक्त वाक्यांश, 'तपस्वी अपनी बात पर अटल रहा', में किस बात की ओर संकेत किया गया है?
   i. नौकर को दण्डित करने की
   ii. राज्य में निवास न करने की
   iii. जान न देने की
   iv. नदी में डूब जाने की

II. राजा ने तपस्वी को धन की खोजकर के लौटाने का आश्वासन तुरन्त क्यों दे दिया?
   i. उसे अपने बुद्धि चातुर्य पर विश्चास था
   ii. वह तपस्वी की बात की परख करना चाहता था
   iii. उसे राज कर्मचारियों की बुद्धि पर विश्वास था
   iv. उसे अपने नगर के वैद्यों पर विश्वास था

III. तपस्वी नेअपना धन कहाँ छिपाया था?
   i. जंगल में
   ii. नदी के तट पर
   iii. नगर मंत्री के घर में
   iv. अपने घर में

IV. तपस्वी ने राजा को धन छिपाने के स्थान पर कौन-सी निशानी बताई?
   i. जंगल
   ii. नदी
   iii. पेड़
   iv. जड़ी-बूटी

V. तपस्वी का धन निम्नलिखित में से किस व्यक्ति ने वापस किया?
   i. मान सिंह

ii. धनीराम

iii. रामू

iv. शिवदत्त

VI. तपस्वी के धन को किसने चुराया था?

i. वैद्य के नौकर ने

ii. रोगी के नौकर ने

iii. राजकर्मचारियों ने

iv. नगर मंत्री ने

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

'विष्णु-पुराण' के प्रथम अंश के नवें अध्याय में इस अमृत-मंथन के कारणों का स्पष्ट उल्लेख है कि फूलों की माला का अपमान करने के प्रायश्चित स्वरूप देवताओं को अमृत-मंथन करना पड़ा। वह कथा इस प्रकार है कि दुर्वासा ऋषि ने पृथ्वी पर विचरण करते हुए एक कृशांगी के जिसकी बड़ी-बड़ी आँखें थी, हाथ में एक दिव्य माला देखी। उन्होंने उस विद्याधरी से उस माला को माँग लिया और उसे किसी अति विशिष्ट व्यक्ति की गर्दन में डालने की बात सोचने लगे।

तभी ऐरावत पर चढ़े देवताओं के साथ आते हुए इंद्र पर उनकी नज़र पड़ी उन्हें देखकर दुर्वासा ने उस माला को इंद्र के गले में डाल दिया लेकिन इंद्र ने अनिच्छापूर्वक ग्रहण करके उस माला को ऐरावत के मस्तक पर डाल दिया। ऐरावत उसकी गंध से इतना विचलित हो उठा कि फौरन सूंड से लेकर उसने माला को पृथ्वी पर फेंक दिया। संयोगवश वह माला दुर्वासा के ही पास जा गिरी। इंद्र को पहनाई गई माला की इतनी दुर्दशा देखकर दुर्वासा को क्रोध आना स्वाभाविक था। वह वापस इंद्र के पास लौटकर आए और कहने लगे 'अरे ऐश्वर्य के घमंड में चूर अहंकारी! तू बड़ा ढीठ है, तूने मेरी दी हुई माला का कुछ भी आदर नहीं किया।

न तो तुमने माला पहनाते वक्त मेरे द्वारा दिए गए सम्मान के प्रति आभार व्यक्त किया और न ही तुमने उस माला का ही सम्मान किया। इसलिए अब तेरा ये त्रिलोकी वैभव नष्ट हो जाएगा। तेरा अहंकार तेरे विनाश का कारण है जिसके प्रभाव में तूने मेरी माला का अपमान किया। तू अब अनुनय-विनय करने का ढोंग भी मत करना। मैं उसके लिए क्षमा नहीं कर सकता।

I. देवताओं द्वारा 'अमृत-मंथन' करने का कारण क्या था?

i. इंद्र के द्वारा दुर्वासा की माला का अपमान करना

ii. इंद्र के द्वारा माला पहनना

iii. इंद्र का समुद्र मंथन करना

iv. उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं

II. गद्यांश के माध्यम से क्या सीख दी गई है?

i. दुर्वासा के सामने न पड़ना

ii. घमंड विनाश का कारण है

iii. वैभव नष्ट हो जाएगा

iv. त्रिलोकी विजय करना

III. उन्होंने इंद्र को माला क्यों पहनाई?

i. क्योंकि वे भगवान थे

ii. क्योंकि वे दिव्य पुरुष थे

iii. क्योंकि वे राजा थे

iv. सभी विकल्प सही हैं

IV. इंद्र ने माला किसे पहना दी?

i. कृशांगी को

ii. विद्याधरी को

iii. ऐरावत को

iv. दुर्वासा को

V. इंद्र को दुर्वासा के क्रोध का भाजन उनके किस अवगुण के कारण होना पड़ा?

i. अहंकार के

ii. विनम्रता के

iii. सौम्यता के

iv. विनाश के

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

"यात्रा शिक्षा का साधन है। शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण है। जब हम यात्रा करते है, तो हमें चीजें संभालनी पड़ती है, अपना टिकट रखना पड़ता है, और ठीक समय पर गाड़ी पकड़नी होती है। धनी व्यक्ति अपने नौकरों से यह सब काम करा लेते हैं लेकिन भारत गरीबों का देश है। यात्रा में हमें अपनी मदद आप करनी पड़ती है। भिन्न-भिन्न स्थानों को देखने और सभी तरह के लोगों से बात करने में हम बहुतेरी नई चीजें सीखते हैं। यूरोप में यात्रा के बिना शिक्षा अधूरी समझी जाती हैं प्राचीन भारत में तीर्थयात्रा को बड़ा महत्व दिया जाता था। इस देश में भ्रमण बड़ा आनन्दप्रद हो सकता है।

I. किन कारणों के बिना शिक्षा अधूरी होती है?

i. यात्रा के कारण

ii. तीर्थ न करने के कारण

iii. कोई नहीं

iv. i. और ii. दोनों

II. यात्रा किसका साधन है?

i. शिक्षा का

ii. व्यक्ति का

iii. संपत्ति का

iv. जीवन का

III. यात्रा करते समय क्या-क्या कार्य करना आवश्यक है?

i. गाड़ी में बैठना

ii. वस्तुएँ संभालना, टिकट रखना, सही समय पर गाड़ी पकड़ना

iii. कोई नहीं

iv. यात्रा की पूर्व जानकारी

IV. उपयुक्त अवतरण का शीर्षक होगा:-

i. यात्रा का महत्व

ii. तीर्थ यात्रा

iii. शिक्षा का साधन

iv. वरित्र निर्माण

V. 'शिक्षा' शब्द का पर्यायवाची नहीं है:-

i. विद्या

ii. तालीम

iii. सीख

iv. कला

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाक्य में कितने प्रकार के पदबंध आते हैं ?

a. पाँच

b. छह

c. तीन

d. चार

ii. 'मीरा **हिंदी की अध्यापिका** है। ' में कौन सा पदबंध है?

a. विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. क्रिया पदबंध

d. क्रिया विशेषण पदबंध

iii. 'मैं **कल चार बजे** पहुँच जाऊँगा।' में कौन सा पदबंध है।

a. क्रिया पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया विशेषण पदबंध

iv. 'वह नौकर से कपड़े **धुलवा रही है**।' में कौनसा पदबंध है ?

a. क्रिया विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया पदबंध

v. 'विशेषण पदबंध' का उचित उदाहरण कौन सा है ?

a. मैंने एक नई कार खरीदी

b. सब लोग मंदिर गए हैं

c. नृत्य करने वाली लडकियाँ चली गईं

d. वह बहुत धीरे चल रही है

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. इन वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान करो-

a. वर्षा तब हुई, जब सुबह हुई।

b. सुबह होने पर वर्षा होने लगी।

c. सुबह हुई और वर्षा होने लगी।

d. जैसे ही सुबह हुई, वर्षा होने लगी।

ii. इन वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. अगर तुम बैठे हो तो उसकी प्रतीक्षा कर लो।

b. तुम यहाँ बैठ जाओ और उसकी प्रतीक्षा करो।

c. तू यहाँ बैठ कर उसकी प्रतीक्षा करो।

d. जब तुम यहाँ बैठो. तो उसकी प्रतीक्षा कर लेना।

iii. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्यों की पहचान कीजिए-

a. क्योंकि नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

b. नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

c. नीलू बीमार होने के कारण बाज़ार नहीं गई।

d. नीलू तब बाज़ार नहीं गई, जब वह बीमार थी।

iv. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. मैं गले में दर्द होने के कारण कुछ नहीं बोलूँगा।

b. क्योंकि मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

c. मेरे गले में दर्द है। मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

d. मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

v. निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. यद्यपि कल छुट्टी है, इसलिए बाज़ार बंद रहेगा।

b. जब छुट्टी होगी, तब बाज़ार बंद रहेगा।

c. छुट्टी होने के कारण बाज़ार बंद रहेगा।

d. कल छुट्टी है अतः बाज़ार बंद रहेगा।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. जिस समस्त पद के विग्रह में कारकीय चिह्नों का प्रयोग किया जाता है-

a. तत्पुरुष
b. कर्मधारय
c. द्विगु
d. द्वंद्व

ii. जिस समास का पहला पद अव्यय होता है, _____कहलाता है।

a. अव्ययीभाव समास
b. बहुब्रीहि समास
c. तत्पुरुष समास
d. द्वंद्व समास

iii. जिस पद में पूर्व पद विशेषण और उत्तर पद विशेष्य होता है।

a. कर्मधारित समास
b. कर्मधारण समास
c. कर्मधारय समास
d. कर्मधरय समास

iv. जिस समास में पूर्व पद संख्यावाची होता है।

a. द्विगु समास
b. तत्पुरुष समास
c. द्वंद्व समास
d. कर्मधारय समास

v. इस समास में पूर्व पद व उत्तर पद की अपेक्षा कोई अन्य पद प्रधान होता है।

a. कर्मधारय समास
b. बहुब्रीहि समास
c. द्वंद्व समास
d. द्विगु समास

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. छुट्टी करना

a. विद्यालय में अवकाश होना
b. मार डालना
c. छुट्टी की घंटी बजाना
d. छुट्टी घोषित करना

ii. भयंकर साँप को देखकर मेरे _____|

a. प्राण डूब गए

b. प्राण सूख गए

c. प्राण उड़ गए

d. प्राण भाग गए

iii. किसी की बात बुरी लगना

a. बातें अच्छी न लगना

b. ज़हरीली बातें

c. ज़हर लगना

d. मीठी बातें

iv. कठोरतापूर्वक व्यवहार करना

a. हाथों-हाथ लेना

b. टेढ़े हाथों लेना

c. सीधे हाथों लेना

d. आड़े हाथों लेना

v. अपनी सखी को दुर्घटनाग्रस्त देखकर मेरी _____।

a. आँख चली गई

b. आँख रोने लगी

c. आँख दर्द करने लगी

d. आँख भर आई

7. **निम्नलिखित पदों के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**

ऐसी बाँणी बोलिए मन का आपा खोई।
अपना तन सीतल करै औरन कैं सुख होई।।

कस्तूरी कुण्डली बसै मृग ढूँढ़ै बन माहि।
ऐसे घटी घटी राम हैं दुनिया देखै नाँहि॥

जब मैं था तब हरि नहीं अब हरि हैं मैं नाँहि।
सब अँधियारा मिटी गया दीपक देख्या माँहि॥

I. कैसी वाणी से अपना तन शीतल होता है?

i. कर्कश वाणी

ii. मीठी वाणी

iii. तीखी वाणी

iv. प्यारी वाणी

II. अंधकार का नाश कैसे होता है?

i. भक्ति से

ii. शक्ति से

iii. दीपक से

iv. अहंकार हटाने से

III. ईश्वर को कहाँ ढूँढना चाहिए?

i. मंदिर में

ii. मस्जिद में

iii. किसी अन्य पुरुष में

iv. स्वयं के अंदर

IV. मन का आपा खोई से क्या तात्पर्य है?

i. अहंकार का समाप्त हो जाना

ii. मन का संतुलन बिगड़ जाना

iii. अँधेरा मिट जाना

iv. हरि का मिल जाना

8. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

पर बात न भूलें कि बखान आदर्शों का नहीं होता, बल्कि व्यावहारिकता का होता है। और जब व्यावहारिकता का बखान होने लगता है तब 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्टों' के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं और उनकी व्यावहारिक सूझबूझ ही आगे आने लगती है। सोना पीछे रहकर ताँबा ही आगे आता है। चंद लोग कहते हैं, गांधीजी 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' थे। व्यावहारिकता को पहचानते थे। उसकी कीमत जानते थे। इसीलिए वे अपने विलक्षण आदर्श चला सके। वरना हवा में ही उड़ते रहते। देश उनके पीछे न जाता। हाँ, पर गांधीजी कभी आदर्शों को व्यावहारिकता के स्तर पर उतरने नहीं देते थे। बल्कि व्यावहारिकता को आदर्शों के स्तर पर चढ़ाते थे। वे सोने में ताँबा नहीं बल्कि ताँबे में सोना मिलाकर उसकी कीमत बढ़ाते थे। इसलिए सोना ही हमेशा आगे आता रहता था।

I. प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट किसे कहते हैं?

i. जो लोग आदर्श में व्यवहारिकता को मिला देते हैं

ii. जो पूर्ण रूप से आदर्शवादी होते हैं

iii. जो पूर्ण रूप से व्यवहारवादी होते हैं

iv. ऐसे लोग नहीं होते

II. प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट के जीवन से आदर्श कब खत्म होने लगता है ?

i. जब आदर्श का बखान होने लगता है

ii. जब व्यवहारिकता का बखान होने लगता है

iii. जब आदर्श और व्यावहारिकता दोनों में से किसी का बखान नहीं होता

iv. जब दोनों की चर्चा होने लगती है

III. 'सोना पीछे रह कर तांबा आगे आ जाता है।' इस कथन का क्या तात्पर्य है?

i. इसका तात्पर्य है जब आदर्श व्यवहार पर भारी पड़ता है

ii. जब दोनों का कोई मेल नहीं होता है

iii. जब व्यवहार आदर्श पर भारी पड़ता है

iv. जब आदमी आदर्शवादी होता है

IV. गांधीजी तांबे में सोना मिलाकर उसकी कीमत बढ़ाते थे। इस कथन का क्या अर्थ है?

i. व्यवहारिकता को आदर्श के स्तर पर चढ़ाया जाए

ii. जब आदर्श को व्यवहारिकता के स्तर पर चढ़ाया जाए

iii. क्योंकि वह प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट थे

iv. व्यवहारिकता को अधिक महत्व देते थे

V. उपरोक्त गद्यांश में सोना और तांबा किसके लिए प्रयोग किया गया है?

i. आभूषणों की चमक

ii. दो प्रकार के धातु

iii. शाश्वत मूल्य और समाज

iv. आदर्श और व्यवहार

9. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल कर उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे। बेचारा समंदर लगातार सिमटता जा रहा था। पहले उसने अपनी फैली हुई टाँगें समेटी, थोड़ा सिमटकर बैठ गया। फिर जगह कम पड़ी तो उकड़ूं बैठ गया। फिर खड़ा हो गया...जब खड़े रहने की जगह कम पड़ी तो उसे गुस्सा आ गया। जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है। परंतु आता है तो रोकना मुश्किल हो जाता है, और यही हुआ, उसने एक रात अपनी लहरों पर दौड़ते हुए तीन जहाज़ों को उठाकर बच्चों की गेंद की तरह तीन दिशाओं में फेंक दिया। एक वर्ली के समंदर के किनारे पर आकर गिरा, दूसरा बांद्रा में कार्टर रोड के सामने औंधे मुँह और तीसरा गेट-वे-ऑफ़ इंडिया पर टूट-फूटकर सैलानियों का नज़ारा बना बावजूद कोशिश, वे फिर से चलने-फिरने के काबिल नहीं हो सके। मेरी माँ कहती थी, सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते मत तोड़ो, पेड़ रोएँगे। दीया-बत्ती के वक्त फूलों को मत तोड़ो, फूल बद्दुआ देते हैं।... दरिया पर जाओ तो उसे सलाम किया करो, वह खुश होता है। कबूतरों को मत सताया करो, वे हज़रत मुहम्मद को अज़ीज़ हैं। उन्होंने उन्हें अपनी मज़ार के नीले गुंबद पर घोंसले बनाने की इज़ाज़त दे रखी है। मुर्गे को परेशान नहीं किया करो, वह मुल्ला जी से पहले मोहल्ले में अज़ान देकर सबको सवेरे जगाता है।

I. तीसरा जहाज कहाँ गिरा था?

i. वर्ली के समंदर में

ii. गेटवे ऑफ इंडिया पर

iii. बांद्रा में

iv. मुहल्ले में

II. कौन हजरत मोहम्मद के अजीज हैं?

i. मुर्गे
ii. कबूतर
iii. चींटी
iv. प्रकृति

III. कबूतरों को कहाँ घोंसले बनाने की इजाजत मिली है?
i. मज़ार के गुंबद पर
ii. घर की छत पर
iii. मज़ार के नीले गुंबद पर
iv. पेड़ पर

IV. पत्ते तोड़ने से किसने मना किया है?
i. लेखक की माँ
ii. हज़रत मुहम्मद
iii. नोह
iv. सुलेमान

V. किसको कम गुस्सा आता है?
i. जो बड़ा होता है
ii. जो धनी होता है
iii. जो छोटा होता है
iv. सुलेमान

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:
i. छोटे भाई ने अपनी पढ़ाई का टाइम-टेबिल बनाते समय क्या-क्या सोचा और फिर उसका पालन क्यों नहीं कर पाया? बड़े भाई साहब पाठ के आधार पर लिखिए |
ii. तताँरा-वामीरो की त्यागभरी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया?
iii. डेरा डालने से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए:
मनुष्यता कविता के द्वारा कवि ने क्या प्रतिपादित करना चाहा है? विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:
i. लेखक अपने छात्र जीवन में स्कूल से छुट्टियों में मिले काम को पूरा करने के लिए क्या-क्या योजनाएँ बनाया करता था तथा उसे पूरा न कर पाने की स्थिति में किसकी भाँति **बहादुर** बनने की कल्पना किया करता था? सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर लिखिए।
ii. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं। कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
iii. टोपी की पढ़ाई में उसके घर के सदस्य भी कहीं न कहीं किसी न किसी रूप से बाधक थे। आप टोपी को क्या सुझाव देना

चाहेंगे, जिससे वह घरेलू परेशानियों से मुक्ति पाकर अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सके?

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **साहित्य का महत्त्व** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- साहित्य का सामर्थ्य
- देश की वास्तविक स्थिति का सजीव चित्रण
- साहित्यकारों द्वारा संस्कृति व सभ्यता को बचाने में योगदान

ii. **गया समय फिर हाथ नहीं आता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- समय ही जीवन है
- समय का सदुपयोग
- समय के दुरुपयोग से हानि

iii. **विज्ञापन की बढती हुई लोकप्रियता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- विज्ञापन की आवश्यकता
- विज्ञापनों से होने वाले लाभ
- विज्ञापनों से होने वाली हानियाँ

14. अपने प्रधानाचार्य को आवेदन पत्र जिसमें अन्य विद्यालय से फ़ुटबॉल मैच खेलने की अनुमति माँगी गई हो।

OR

अपने जन्मदिन पर मित्र को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।

15. अभिषेक वर्मा, दिल्ली पब्लिक विद्यालय के हेड ब्वाय की ओर से सुनामी पीड़ितों के लिए धनराशि दान करने हेतु 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

OR

आप शांति विद्या निकेतन, प्रशांत विहार, दिल्ली की छात्रा खुशी मेहरा हैं। विद्यालय में आपका परीक्षा प्रवेश-पत्र गुम हो गया है। इस विषय पर 20-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

16. तृप्ति बिंदिया के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

OR

सड़क पर टहलते हुए आपको एक बैग मिला, जिसमें कुछ रूपये, मोबाइल फ़ोन तथा अन्य कोई महत्त्वपूर्ण कागज़ात थे। लगभग 25 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए कि अधिकारी व्यक्ति आपसे संपर्क कर अपना बैग ले जाएँ।

17. **जैसी करनी वैसी भरनी** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

परीक्षा संकट में फंसा बेचारा विद्यार्थी विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 08 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) हँसी को
   II. (ii) मीठी मदिरा के
   III. (iii) उसका स्वास्थ्य बढ़ता है
   IV. (iv) आन्तरिक हँसी
   V. (iv) उसका दुःख घटता है

OR

   I. (iv) नदी में डूब जाने की
   II. (i) उसे अपने बुद्धि चातुर्य पर विश्चास था
   III. (i) जंगल में
   IV. (iii) पेड़
   V. (iii) रामू
   VI. (ii) रोगी के नौकर ने
2. I. (i) इंद्र के द्वारा दुर्वासा की माला का अपमान करना
   II. (ii) घमंड विनाश का कारण है
   III. (ii) क्योंकि वे दिव्य पुरुष थे
   IV. (iii) ऐरावत को
   V. (i) अहंकार के

OR

   I. (i) यात्रा के कारण
   II. (i) शिक्षा का
   III. (ii) वस्तुएँ संभालना, टिकट रखना, सही समय पर गाड़ी पकड़ना
   IV. (i) यात्रा का महत्व
   V. (iv) कला
3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (a) पाँच

Explanation: संज्ञा पदबंध, सर्वनाम पदबंध, विशेषण पदबंध, क्रिया विशेषण पदबंध, क्रिया पदबंध

ii. (b) संज्ञा पदबंध

Explanation: संज्ञा पद में यदि विशेषण पद जोड़ दिया जाता है तो संज्ञा पदबंध बन जाता है।

iii. (d) क्रिया विशेषण पदबंध

Explanation: वह पदबंध जो क्रियाविशेषण पद के स्थान पर प्रयुक्त होकर वही कार्य करता है जो अकेला एक क्रियाविशेषण पद कर रहा था, तब उसे क्रिया विशेषण पदबंध कहते हैं।

iv. (d) क्रिया पदबंध

Explanation: कोई भी 'क्रिया' शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होता है तब उसमें 'सहायक क्रिया ' के प्रत्यय जुड़ते हैं। इस तरह मुख्य क्रिया तथा सहायक क्रिया से युक्त पूरी रचना अपने में पदबंध ही होती है।

v. (a) मैंने एक नई कार खरीदी

Explanation: क्योंकि इसमें विशेषण का समूह आया है अतः यही विशेषण पदबंध का सही उदाहरण है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (c) सुबह हुई और वर्षा होने लगी।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि संयुक्त वाक्य में दो सरल वाक्य 'योजक' शब्दों द्वारा जुड़े होते हैं और उनका अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है। इस विकल्प में 'और' योजक शब्द का प्रयोग दो वाक्यों को जोड़ने के लिया किया जा रहा है, इसलिए यह संयुक्त वाक्य है।

ii. (b) तुम यहाँ बैठ जाओ और उसकी प्रतीक्षा करो।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि संयुक्त वाक्य योजक शब्द के द्वारा जुड़े होने पर भी अपना स्वतंत्र अस्तित्व रखते हैं और उनसे पूरे अर्थ का बोध होता है। इस विकल्प में भी दोनों वाक्य स्वतंत्र है किन्तु संयुक्त वाक्य बनाने के लिए समुच्चयबोधक अव्यय 'और' का प्रयोग किया गया है।

iii. (b) नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि दोनों वाक्य 'इसलिए' योजक से जुड़े हैं पर वे एक दूसरे पर आश्रित नहीं हैं। वे दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे हैं।

iv. (d) मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि इसमें दोनों वाक्य 'इसलिए' योजक शब्द से जुड़े हैं पर वे एक दूसरे पर आश्रित नहीं हैं। वे दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे है। इनके बीच कार्य और कारण का संबंध है।

v. (d) कल छुट्टी है अतः बाज़ार बंद रहेगा।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि दोनों वाक्य 'अतः' योजक शब्द से जुड़े हैं और दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) तत्पुरुष

Explanation: तत्पुरुष, उदाहरण- दानपेटी = दान के लिए पेटी।

ii. (a) अव्ययीभाव समास

Explanation: अव्ययीभाव समास

उदाहरण- आमरण = आ + मरण

अर्थ- मरण तक

iii. (c) कर्मधारय समास

Explanation: कर्मधारय समास

उदाहरण- लालमिर्च = लाल है जो मिर्च

लाल- विशेषण

मिर्च- विशेष्य

iv. (a) द्विगु समास

Explanation: द्विगु समास

उदाहरण- त्रिकोण = तीन कोनों का समाहार (समूह)

v. (b) बहुब्रीहि समास

Explanation: बहुब्रीहि समास

उदाहरण- गिरिधर = गिरि को धारण करने वाला अर्थात श्रीकृष्ण।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (b) मार डालना

Explanation: मार डालना - रमेश ने सुरेश की छुट्टी कर दी।

ii. (b) प्राण सूख गए

Explanation: प्राण सूख गए -बुरी तरह घबरा जाना

iii. (c) ज़हर लगना

Explanation: ज़हर लगना - अंशु को माँ की सीख ज़हर लगती है।

iv. (d) आड़े हाथों लेना

Explanation: आड़े हाथों लेना - घर के सामने कूड़ा डालने पर उसने पड़ोसी को आड़े हाथों लिया।

v. (d) आँख भर आई

Explanation: आँख भर आई - दुखी होना

7. I. (ii) मीठी वाणी

II. (iii) दीपक से

III. (iv) स्वयं के अंदर

IV. (i) अहंकार का समाप्त हो जाना

8. I. (i) जो लोग आदर्श में व्यवहारिकता को मिला देते हैं

II. (ii) जब व्यवहारिकता का बखान होने लगता है

III. (iii) जब व्यवहार आदर्श पर भारी पड़ता है

IV. (i) व्यवहारिकता को आदर्श के स्तर पर चढ़ाया जाए

V. (iv) आदर्श और व्यवहार

9. I. (ii) गेटवे ऑफ इंडिया पर

II. (ii) कबूतर

III. (iii) मज़ार के नीले गुंबद पर

IV. (i) लेखक की माँ

V. (i) जो बड़ा होता है

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. छोटे भाई ने अपनी पढ़ाई का टाइम-टेबिल बनाते समय सोचा था कि वह आगे से खूब जी लगाकर अपनी पढ़ाई करेगा, बड़े भाई को कभी शिकायत का मौका नहीं देगा और खेलों से दूर रहेगा, लेकिन पहले ही दिन मैदान की सुखद हरियाली, हवा के हलके - हलके झोंके, फुटबॉल की उछल-कूद, कबड्डी के दाँव-घात, वॉलीबॉल की तेज़ी और फुर्ती के कारण वह उसका पालन नहीं कर पाया।

ii. तताँरा वामीरो ने अपना बलिदान दे कर उस परंपरा को समाप्त कर दिया जिसके अनुसार एक गांव के लड़का-लड़की अन्य गांव के लड़का-लड़की से विवाह नहीं कर सकते थे। उन दोनों के त्यागमयी मृत्य के बाद यह परंपरा समाप्त हो गई । उस गांव के लोग दूसरे गांव से विवाह संबंध बनाने लगे ।

iii. 'डेरा डालने' का आशय है अस्थाई रूप से बसना। आजकल पक्षियों को अपने घोसलें बनाने के लिए उपयुक्त जगह नहीं मिल पाती हैं इसलिए वे इमारतों के छज्जों और रोशनदानों में ही अपना डेरा जमा लेते हैं।

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए: "मनुष्यता' कविता के द्वारा कवि मानवता, एकता, सहानुभूति, सद्भाव, उदारता और करुणा आदि का भाव प्रतिपादित करना चाहता है। वह मनुष्य को स्वार्थ, भिन्नता, वर्गवाद, जाातिवाद आदि संकीर्णताओं से मुक्त करना चाहता है। मनुष्य में उदारता के भाव भरना चाहता था। कवि चाहता है कि हर मनुष्य समस्त संसार में अपनत्व की अनुभूति करे। हम सभी एक ईश्वर की ही संतान हैं। इसलिए हम सभी समान है। हमें भेदभाव से ऊपर उठ कर सोचना चाहिए। हर मनुष्य को दुखियों, वंचितों और जरूरतमंदों के लिए बड़े से बड़ा त्याग करने को भी तैयार रहना चाहिए। वह कर्ण, दधीचि, रंतिदेव आदि के अतुल त्याग से प्रेरणा ले। वह अपने मन में करुणा का भाव जगाए। वह अभिमान, लालच और अधीरता का त्याग करे। एक-दूसरे का सहयोग करके देवत्व को प्राप्त करे। वह हँसता-खेलता जीवन जिए तथा आपसी मेल-भाव को बढ़ाने का प्रयास करे। उसे किसी भी सूरत में अलगाव और भिन्नता को हवा नहीं देनी चाहिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. लेखक के स्कूल में छुट्टी होते ही वे अपनी छुट्टियों जी की योजना बनाने लगते थे। वे छुट्टियों में स्कूल में मिला हुआ काम पूरा करना चाहते थे वरना उन्हें स्कूल में मार खाने का डर रहता था। काम के साथ छुट्टियों में खेलना भी जरूरी था और वे खेल के सामने अपनी पढ़ाई भी भूल जाते थे। जैसे - जैसे छुट्टियाँ बीतती थी वैसे - वैसे उनकी नई योजनाएँ बनती थी पढ़ाई करने के लिए।

परन्तु जब ऐसी योजनाएँ बनाते हुए छुट्टी समाप्त हो जाती तो उन्हें 'ओमा' की याद आती थी। वे उसकी तरह बहादुर बनने की कल्पना करते थे और सवाल हल करने के बदले शिक्षक की पिटाई को सस्ता सौदा समझते थे |

ii. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखें हैं। उनको इस बात का ज्ञान है कि जब तक उनके पास

ज़मीन-जायदाद है, सभी उनका मान-सम्मान करेंगे।ठाकुरबारी के महंत उनको इसलिए समझते हैं क्योंकि वह उनकी जमीं ठाकुरबारी के नाम करवाना चाहते हैं। ठाकुरबारी के महंत उन्हें अपने हिस्से की ज़मीन ठाकुबारी के नाम कर देने का आग्रह कर उन्हें यह समझाते हैं कि ऐसा करने पर उनका गाँव में मान-सम्मान बढ़ जाएगा और उनका परलोक भी सुधर जाएगा। उनके सगे भाई भी उनसे उनकी ज़मीन-जायदाद को अपने नाम करने को कहते हैं और इसके बदले में उनका आदर-सत्कार करते हैं। हरिहर काका ऐसे कई लोगों को जानते हैं जिन्होंने अपने जीते जी अपनी ज़मीन किसी और के नाम लिख दी थी। बाद में उनका जीवन नरक बन गया । वे नहीं चाहते थे की उनके साथ भी ऐसा हो इसीलिए वे जीते-जी अपनी जमीन-जायदाद किसी के भी नाम नहीं करना चाहते।

iii. ऐसा माना जाता है कि प्रसन्न मन और स्वस्थ दिमाग, सफलता प्राप्ति में सहायक होते हैं, परंतु टोपी के पास ये दोनों ही साधन नहीं थे, इसलिए घर में सभी का व्यवहार उसे अकेलेपन का अहसास कराता था।

जब टोपी पहली बार फेल हुआ, तब मुन्नी बाबू इंटरमीडिएट में प्रथम आए। सब उनकी प्रशंसा करते और टोपी पर व्यंग्य कसते। फेल होने का कारण कोई नहीं समझता, जबकि प्रमुख कारण घर वाले ही थे। जब भी टोपी पढ़ने बैठता. तभी मुन्नी बाबू कोई-न-कोई काम बता देते या माँ कोई ऐसा सामान मँगाने के लिए कह देतीं, जिसे नौकरानी से नहीं मँगाया जा सकता था। टोपी जब सामान लेकर लौटता तो देखता कि भैरव ने कॉपी के पन्नों के हवाई जहाज बना डाले। ये सभी गतिविधियाँ टोपी की पढ़ाई में बाधा उत्पन्न करने का मूल-भूत कारण कही जानी चाहिए। पढ़ाई के लिए घर का माहौल सदैव शांतिप्रिय होना चाहिए, जो टोपी को कभी नहीं मिल सका था। टोपी के घर का वातावरण जिस प्रकार का था, उस वातावरण में पढ़ाई-लिखाई कर पाना अत्यंत जटिल कार्य था। टोपी के माता-पिता भी इस बात से अंजान रह गए थे कि किसी न किसी रूप में टोपी का एक ही कक्षा में दो बार फेल हो जाना घरेलू कारणों का ही परिणाम है।

मैं टोपी को यही सुझाव देना चाहता हूँ कि वह स्कूल छूटने के बाद शाम के समय आस-पड़ौस के किसी पुस्तकालय में जाकर घंटे-दो-घंटे के लिए स्वाध्ययन करे। इससे वह घरेलू परेशानियों से भी दूर हो जाएगा और घर में इधर-उधर के बेकार के कामों में समय देने की बजाय पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे सकेगा।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **साहित्य का महत्त्व**

साहित्य कमज़ोर एवं शोषितों को उत्साहित करने का कार्य करता है। यह साहित्य ही है, जिसने कई बार हारी हुई लड़ाइयों को भी जीतने में मदद की है। कहा भी गया है कि 'साहित्य समाज कादर्पण' होता है। साहित्य देश की वास्तविक स्थिति का सजीव चित्रण करता है, जिससे प्रभावित होकर समाज के जागरूक लोग सामाजिक बुराइयों को पहचानकर, उनका कारण समझकर तथा उन्हें मिटाने के तरीके ढूंढकर उन्हें समाप्त कर देते हैं। जिस समय भारतीय संस्कृति और सभ्यता को दुष्प्रभावित करने का षड्यंत्र किया जा रहा था, उस समय कबीरदास, तुलसीदास, भूषण, प्रेमचंद, रामधारी सिंह 'दिनकर' आदि साहित्यकारों ने जनता को अपनी रचनाओं के माध्यम से शिक्षित एवं संवेदनशील बनाने काकार्य किया। राष्ट्रीयता एवं मानवीय मूल्यों की रक्षा करने में अनेक साहित्यकारों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। साहित्यकारों ने अपने राष्ट्रीय एवं नैतिक दायित्व को पहचाना तथा उसी के अनुसार कार्य किया। इस प्रकार कह सकते हैं कि साहित्यकार का सामाजिक उत्तरदायित्व होता है। समाज के हित की दृष्टि से लिखा गया साहित्य ही श्रेष्ठ साहित्य कहा जा सकता है।

ii. महापुरुषों ने कहा है, "समय बहुत मूल्यवान है। एक बार निकल जाने पर यह कभी वापस नहीं आता।" वास्तव में, समय ही

जीवन है। इसकी गति को रोकना असंभव है। संसार में अनेक उदाहरण हैं, जो समय की महत्ता को प्रमाणित करते हैं। जिसने समय के मूल्य को नहीं पहचाना, वह हमेशा पछताया है। इसके महत्त्व को पहचानकर इसका सदुपयोग करने वाले व्यक्तियों ने अपने जीवन में लगातार सफलता प्राप्त की। जो व्यक्ति समय मिलने पर भी अपने जीवन में कुछ नहीं कर पाते, वे जीवन में असफल रहते हैं।

जो विद्यार्थी पूरे वर्ष पढ़ाई नहीं करते, वे फेल होने पर पछताते हैं। तब यह उक्ति कि 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' चरितार्थ होती है। विद्यार्थी को समय का मूल्य पहचानते हुए हर पल का सदुपयोग करना चाहिए, क्योंकि जो समय को नष्ट करता है, एक दिन समय उसे नष्ट कर देता है। महान् पुरुषों ने समय का सदुपयोग किया और अपने जीवन में सफल हुए। स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मदर टेरेसा आदि इसके ज्वलंत प्रमाण हैं। अतः हमें समय की महत्ता को समझते हुए इसका सदुपयोग करना चाहिए।

iii. आज के युग को विज्ञापनों का युग कहा जा सकता है। आज सभी जगह विज्ञापन-ही-विज्ञापन नज़र आते हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियाँ एवं उत्पादक अपने उत्पाद एवं सेवा से संबंधित लुभावने विज्ञापन देकर उसे लोकप्रिय बनाने का हर संभव प्रयास करते हैं। किसी नए उत्पाद के विषय में जानकारी देने, उसकी विशेषता एवं प्राप्ति स्थान आदि बताने के लिए विज्ञापन की आवश्यकता पड़ती है। विज्ञापनों के द्वारा किसी भी सूचना तथा उत्पाद की जानकारी, पूर्व में प्रचलित किसी उत्पाद में आने वाले बदलाव आदि की जानकारी सामान्य जनता को दी जा सकती है।

विज्ञापन का उद्देश्य जनता को किसी भी उत्पाद एवं सेवा की सही सूचना देना है, लेकिन आज विज्ञापनों में अपने उत्पाद को सर्वोत्तम तथा दूसरों के उत्पादों को निकृष्ट कोटि को बताया जाता है। आजकल के विज्ञापन भ्रामक होते हैं तथा मनुष्य को अनावश्यक खरीदारी करने के लिए प्रेरित करते हैं। अतः विज्ञापनों का यह दायित्व बनता है कि वे ग्राहकों को लुभावने दृश्य दिखाकर गुमराह नहीं करें, बल्कि अपने उत्पाद के सही गुणों से परिचित कराएँ। तभी उचित सामान ग्राहकों तक पहुँचेगा और विज्ञापन अपने लक्ष्य में सफल होगा।

14. प्रधानाचार्य महोदय,

केनेडी पब्लिक स्कूल

राज नगर, पालम,

नई दिल्ली-110077

1, अप्रैल, 2019

विषय-फुटबॉल मैच खेलने की अनुमति के संबंध में

श्रीमान् जी

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की फुटबॉल टीम का कप्तान हूँ। हम अपने अभ्यास के लिए दिल्ली शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल की फुटबॉल टीम से मैच खेलना चाहते हैं। हर वर्ष हमारा इसी स्कूल से फाइनल में मुकाबला होता है। हमारी टीम प्रतियोगिता के लिए तैयार है। कुछ नए खिलाड़ी भी हम टीम में शामिल कर रहे हैं।इससे उन्हें विपक्षी टीम की ताकत का अंदाजा भी हो जाएगा तथा उनकी कमजोरियों का भी पता चल जाएगा। इससे हमारी टीम को लाभ मिलेगा।

आप कृपया हमें अनुमति देने के साथ-साथ दिल्ली शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल के प्राचार्य को भी मैच देखने के लिए आमंत्रित करें। हम सब आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद

भवदीय

पवन

कप्तान, फुटबॉल टीम।

OR

मोहित मल्होत्रा,

493 शिव-गणेश अपार्टमेंट

महेश नगर, दिल्ली - 72

दिनांक : .....

प्रिय श्रवण,

स्नेह।

मुझे आशा है कि तुम स्वस्थ व आनंदपूर्वक होंगे। मैं भी यहाँ सकुशल हूँ। विशेष समाचार यह है कि इस बार मेरा जन्मदिन धूमधाम से मनाया जा रहा है। तुम 22 जुलाई कि तिथि मेरे लिए आरक्षित रखना। तुम यहाँ 21 जुलाई को ही आ जाना और मेरी मदद करना। अभी निमंत्रण पत्र छपकर नहीं आए हैं। आते ही, मैं तुम्हारे पास सबसे पहले भेजूँगा। तुम 21 जुलाई को आना नहीं भूलना।

तुम्हारा अभिन्न मित्र,

मोहित

15.

सूचना

15 अप्रैल, 2019

हमारे विद्यालय के प्रशासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि अधिक-से-अधिक धन राशि एकत्रित करके सुनामी पीड़ितों की सहायता की जाए। अतः आप सबको सूचित किया जाता है कि अधिक-से-अधिक दान देकर इस कार्य में सहयोग दें। अतिरिक्त जानकारी हेतु स्कूल प्रशासन द्वारा नियुक्त अधिकारी से संपर्क करें।

अभिषेक वर्मा

हेड ब्वाय

OR

शांति विद्या निकेतन, प्रशांत विहार, दिल्ली

सूचना

दिनांक 12 मार्च, 2019

परीक्षा प्रवेश-पत्र गुम होना

सभी को यह सूचित किया जाता है कि 12 मार्च, 2019 को विद्यालय के खेल परिसर में मेरा परीक्षा प्रवेश-पत्र गुम हो गया है।

उस पर मेरी फ़ोटो के साथ, मेरा अनुक्रमांक नं. 2321087 भी अंकित है। यदि किसी को भी वह मिले तो मुझे लौटाने की कृपा करें।

खुशी मेहरा

कक्षा-दसवीं 'ब'

16.

"सुहागनों का करे श्रृंगार,

दमकते चेहरे पर लाए निखार।

रंग-बिरंगी, चमकती-दमकती,

बिंदिया बढ़ाए आपस में प्यार।"

तृप्ति बिंदिया

लाल और मरुन रंग में उपलब्ध

तृप्ति बिंदी लगायें

माथे की शान बढाएं

कम कीमत में उपलब्ध

OR

सूचित किया जाता है कि दिनांक 25 मार्च, 2019 को मुझे एक काले रंग का बैग रास्ते में मिला था, जिसमें कुछ सामान और महत्त्वपूर्ण कागज़ात थे

जिसका ब्यौरा इस प्रकार है- रूपये 4000, एक मोबाइल फोन, आधारकार्ड (कुमार)। यह बैग जिसका भी हो, वह निम्न पते पर संपर्क कर सकता है-

बी. 275/6, वसंत विहार, दिल्ली।

मोबाइल नं. 986869XXXX

(पवन कुमार)

17. **जैसी करनी वैसी भरनी**

ये उस समय की बात है जब मैं आठवीं कक्षा में पढ़ता था। मैं औसत वाला लड़का था। मेरी कक्षा में एक और लड़का था, जो पूरे स्कूल में अव्वल आता था। सारे शिक्षक भी उसकी तारीफ करते रहते थे। उसके प्रति मेरे मन में ईर्ष्या की भावना रहती थी। मैं ऐसे मौके की तलाश में रहता था, जब मैं उसे नीचा दिखा सकूँ। बहुत जल्द ही वो मौका मेरे सामने आ गया। हमारे स्कूल में एक परीक्षा का आयोजन हुआ, इसमें उत्तीर्ण होने वालों को सम्मानित किया जाता और आगे की पढ़ाई के लिए छात्रवृति मिलने वाली थी। मेरी चालाकी से उसके पास से नकल करने का कुछ सामान हमारे शिक्षक को मिल गया और उसे परीक्षा से बर्खास्त कर दिया गया। वहाँ पर तो मैं उत्तीर्ण हो गया, लेकिन बहुत जल्द ही मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ। जब आगे की परीक्षा में मैं उत्तीर्ण नहीं हो पाया और मुझे उससे बाहर कर दिया गया। तब मुझे ये समझ में आ गया कि हम दूसरों के साथ जैसा करते हैं, हमारे साथ भी वैसा ही होता है।

OR

परीक्षा संकट में फंसा बेचारा विद्यार्थी

विद्यार्थी और परीक्षा दोनी में घनिष्ठ संबंध है क्योंकि विद्यार्थी जीवन परीक्षा के बिना पूर्ण नहीं होता। बोर्ड की परीक्षाएँ शुरू होने वाली थी गोविन्द का बुरा हाल था पूरा साल तो उसने मौज-मस्ती में बिता दिया था एक महीने बाद क्या होगा। पापा ने उसका टाईमटेबल बना दिया था घर से निकलने की मनाही थी, मम्मी को भी उसपर नजर रखने का सख्त आदेश था, मोबाइल की घंटी बंद कर दी गई थी। बेचारा गोविन्द उसका तो बुरा हाल था, कुर्सी पर बैठ कर लगातार पढ़ाई करना उसको दिन में ही तारे दिखा रहा था। गणित के सवाल, इतिहास के प्रश्नों की खिचड़ी उसके दिमाग में पक रही थी। पढ़ाई करने में उसका मन नहीं लग रहा था उसे लग रहा था कि वह अच्छे नंबरों से तो दूर बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण ही नहीं कर पायेगा। तभी बगल के कमरे से उसे पापा की आवाज सुनाई दी जो फोन पर दादाजी से बात करते हुए उन्हें बता रहे थे कि गोविन्द कितनी लगन से पढ़ाई कर रहा है और उनको विश्वास था कि गोविन्द के अच्छे नंबर अवश्य आयेंगे, पापा के इस विश्वास ने बेचारे गोविन्द को इस परीक्षा संकट का सामना करने के लिए तैयार कर दिया था।